अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर संसद टी.वी. के उद्घाटन के अवसर पर भाषण

माननीय उपराष्ट्रपति जी, माननीय प्रधानमंत्री जी, माननीय मंत्रिगण, सभी दलों के नेतागण, कार्यक्रम में उपस्थित माननीय सदस्यगण, उपस्थित प्रबुद्धजन, भाइयों और बहनों।

---

1. अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

2. आज हमारी संसद का ऐतिहासिक दिन है जब लोकसभा और राज्यसभा के दोनों चैनलों को एकीकृत कर संसद टीवी के रूप में देश की जनता को समर्पित किया जा रहा है। इस अवसर पर मैं माननीय उपराष्ट्रपति जी एवं माननीय प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन करता हूं।

3. आज पूरा विश्व अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मना रहा है। दुनिया में लोकतंत्र को ही शासन चलाने की सर्वोत्तम पद्धति माना गया है। भारत में लोकतंत्र प्राचीन काल से ही हमारे जीवन और कार्यशैली का हिस्सा रहा है।

4. एक लंबे संघर्ष तथा स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान से हमें आजादी मिली। हमारे देश के लोकतंत्र की यात्रा सजीव एवं जीवन्त रही है। इस सफर में हमने लोकतंत्र को और सशक्त किया है तथा देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में परिवर्तन भी लाए हैं।

5. स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं जिसके उपलक्ष्य में देश भर में हम ''आजादी का अमृत महोत्सव'' मना रहे हैं। राष्ट्रीय गौरव के ऐसे क्षण में आज संसद टी.वी. का शुभारंभ बेहद खुशी का मौका है।

6. वर्ष 1989 (उन्नीस सौ नवासी) में पहली बार संसद के केन्द्रीय कक्ष में तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति महोदय के उदबोधन टेलीविजन के माध्यम से प्रसारित किया गया था।

इसके बाद समय के साथ प्रसारण के दायरे का विस्तार होता गया। वर्ष 2006 में लोक सभा टी.वी. तथा वर्ष 2011 में राज्य सभा टी.वी. के रूप में दो अलग-अलग चैनलों की शुरूआत हुई। चैनल अपना काम और प्रभावी ढंग से करें, इसी उद्देश्य से आज ये दोनों चैनल एकीकृत होकर संसद टीवी का स्वरूप ग्रहण कर रहे हैं। यह भी एक सुखद संयोग है कि आज से 62 वर्ष पूर्व आज ही के दिन 15 सितंबर, 1959 को दूरदर्शन की भी शुरुआत हुई थी।

7. मुझे पूरा विश्वास है कि अपने नए रूप में संसद टी.वी. संसद और जनता के बीच संवाद स्थापित करने में और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाएगी। दोनों चैनलों के विलय से संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और हम उत्कृष्ट कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण सुनिश्चित कर पाएंगे।

8. संसद टीवी देश का एकमात्र चैनल होगा जिसके माध्यम से देश के नागरिकों को ग्राम पंचायत से लेकर संसद तक सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली तथा जनप्रतिनिधियों की भूमिका से परिचित कराने का कार्य होगा।

9. यह चैनल राजनीतिक और नीतिगत घटनाक्रमों पर सटीक जानकारी देगा, सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों को प्रामाणिक जानकारी के साथ प्रस्तुत करेगा। यहां देश की सांस्कृतिक विविधताओं की झलक दिखेगी तो हमारे समृद्ध गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, लोकतंत्र की यात्रा के अनुभवों तथा ग्रामीण भारत के विकास के सकारात्मक पहलुओं को भी दर्शाया जाएगा।

10. संसद टीवी के माध्यम से हम देश में पारदर्शी और जवाबदेह लोकतंत्र, संसद तथा संसदीय समितियों तथा विभिन्न लोकतांत्रिक संस्थाओं के बारे में जानकारी पूरे विश्व के साथ साझा कर पाएंगे।

11. यह चैनल हमारे जनप्रतिनिधियों के सकारात्मक और प्रेरणादायी कार्यों को प्रकाश में लाएगा जिससे अन्य जनप्रतिनिधि व आमजन प्रेरणा ले सकें। चैनल के जरिए देश-विदेश के विशिष्ट महानुभावो के अनुभव और विचार जानने को मिलेंगे जिससे सभी लाभान्वित होंगे।

12. संसद टीवी दूर-दराज के क्षेत्रों में निवास कर रहे लोगों के अभाव को दिखाएगा तो दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले व्यक्तियों के बारे में भी जानकारी देगा।

13. आज हमारे देश की बहुसंख्य आबादी युवा है। चैनल के माध्यम से हमारा प्रयास होगा कि हमारे युवा संसदीय गणतंत्र और उसकी कार्यप्रणाली के प्रति जागरूक हों, संविधान को जानें, अपने कर्त्तव्यों और दायित्वों के प्रति सचेत हों। हमारे युवा देश की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली अतीत से परिचित हों, हमारा यह भी प्रयास होगा।

14. मुझे पूर्ण विश्वास है कि संसद टी.वी. राष्ट्रीय हितों से जुड़े मुद्दों और घटनाओं को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ दर्शाने वाले एक श्रेष्ठ चैनल के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा और जागरूकता, जानकारी और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए जनतंत्र को और सशक्त बनाएगा।

जय हिन्द। जय भारत।